SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR.

****

Accredited By NAAC with 'A' Grade

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Syllabus For

B.A. Part - I

Hindi

(Syllabus to be implemented from June, 2018 onwards.)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी अध्ययन मंडल

प्रथम वर्ष (कला, वाणिज्य एवं अन्य विद्या शाखा)

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

हिंदी (अनिवार्य)

(शैक्षिक वर्ष : 2018–19, 2019–20 तथा 2020–21)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र – A : सृजनात्मक लेखन

उद्देश्य :

- हिंदी भाषा तथा व्याकरण का अध्ययन कराना।
- सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं (कविता, कहानी, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, दृश्य–साहित्य, पत्रकारिता) से परिचित कराना।
- सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों का परिचय कराना।
- सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों के महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धति :–

- व्याख्यान विश्लेषण।
- चर्चा–संगोष्ठी।
- संपादकों, उपसंपादकों तथा विद्वानों से साक्षात्कार।
- आई.सी.टी. का प्रयोग।

अध्ययनार्थ विषय :

इकाई –I हिंदी भाषा तथा व्याकरण : सामान्य परिचय

व्याकरण : लिंग, वचन, कारक, विराम चिह्न, वाक्य के प्रकार, मानक वर्तनी

इकाई –II कविता, कहानी तथा यात्रावृत्त लेखनः स्वरूप, महत्त्व तथा उपयोगिता।

कविता, कहानी तथा यात्रावृत्त के क्षेत्र– सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक।

इकाई –III रिपोर्ताज और साक्षात्कार लेखनः स्वरूप, महत्त्व तथा उपयोगिता।

रिपोर्ताज के क्षेत्र– वाणिज्य, विज्ञान, तकनीकी।

रिपोर्ताज के क्षेत्र– साहित्य तथा सामाजिक।

इकाई –IV दृश्य साहित्य लेखन तथा पत्रकारिता : स्वरूप, महत्त्व तथा उपयोगिता।

दृश्य साहित्य लेखन के क्षेत्र– छायाचित्र, कार्टून (प्रश्नपत्र में संबंधित मद्दों पर चित्र दिया जाएगा)।

पत्रकारिता के प्रकार : खेल पत्रकारिता, सिनेमा पत्रकारिता, ग्रामीण पत्रकारिता।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन – अंक

प्रश्न 1 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 –	समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 –	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्नः अ तथा ब – दोनों अनिवार्य (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

संदर्भ ग्रंथ :

- हिंदी भाषा – महावीर प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी भाषा – इतिहास और स्वरूप– राजमाठी शर्मा
- मानक हिंदी – ब्रजमोहन
- संक्षिप्त हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरू
- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण– डॉ.हरदेव बाहरी
- आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास– बच्चनसिंह
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – डॉ.हरिमोहन
- साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष – डॉ.मधु धवन
- सुगम हिंदी व्याकरण – धर्मपाल शास्त्री
- हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ– डॉ.विनोद गोदरे
- व्यावहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग– डॉ.ओमप्रकाश
- व्यावहारिक हिंदी – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी
- खेल पत्रकारिता – सुशील दोशी, सुरेश कौशिक

द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र – B : व्यावहारिक लेखन

उद्देश्य :

- हिंदी के विविध रूपों का परिचय कराना।
- प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय कराना।
- पत्राचार का स्वरूप तथा प्रकारों का परिचय कराना।
- अनुवाद, विज्ञापन और समाचार लेखन से परिचित कराना।
- व्यावहारिक लेखन का महत्त्व तथा उपयोगिता से परिचित कराना।

अध्ययनार्थ विषय :

इकाई –I हिंदी के विविध रुप तथा प्रयोजनमूलक हिंदी : मातृभाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा, सर्जनात्मक भाषा।

कार्यालयीन हिंदी, वाणिज्यिक हिंदी, विज्ञापन की हिंदी, वैज्ञानिक तथा तकनीकी साहित्य की हिंदी।

इकाई –II पत्राचार : सामान्य परिचय

रोजगार प्राप्ति हेतु आवेदन पत्र (सरकारी, अर्ध सरकारी तथा गैर सरकारी)।

इकाई –III अनुवाद और विज्ञापन : स्वरूप, प्रकार, महत्त्व, उपयोगिता।

अनुवाद कार्य तथा विज्ञापन लेखन (विज्ञापन से संबंधित)

इकाई –IV समाचार लेखन तथा पत्रकारिताः स्वरूप, उद्देश्य तथा तत्त्व।

समाचार लेखन और पत्रकारिता : संपादन तथा साजसज्जा।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन –		अंक
प्रश्न 1 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 –	समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 –	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अ तथा ब – दोनों अनिवार्य	15

– संदर्भ ग्रंथ

- समाचार एवं प्रारूप लेखन – डॉ.रामप्रकाश, डॉ.दिनेश गुप्त
- प्रशासनिक एवं कार्यालयीन हिंदी – डॉ.रामप्रकाश, डॉ.दिनेश गुप्त
- समाचार संपादन – कमल दीक्षित, महेश दर्पण
- अनुवाद एवं संचार – डॉ. पूरनचंद टंडन
- विज्ञापन कला– डॉ.मधु धवन
- आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचंद पातंजलि
- आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क – डॉ.तारेश भाटिया

- व्यावहारिक हिंदी और रचना – डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी
- प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम– डॉ.मनोज पांडेय
- व्यावसायिक संप्रेषण – डॉ.अनुपचंद्र पु. भयाणी
- प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र
- भाषा विज्ञान एवं हिंदी – डॉ.नरेश मिश्र
- प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण – प्रो.एम. ए. विराज

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी अध्ययन मंडल

प्रथम वर्ष कला– हिंदी (विशेष ऐच्छिक)

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

(शैक्षिक वर्ष : 2018–19, 2019–20 तथा 2020–21)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य :

1. छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना।
3. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना।
4. निबंध, कहानी, रेखाचित्र, एकांकी, रिपोर्ताज, संस्मरण, व्यंग्य आदि विधाओं के माध्यम से छात्रों का भावात्मक विकास कराना।
5. छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण करना।
6. छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना एवं सामाजिक प्रतिबद्धता हेतु राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार–प्रसार करना।
7. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
3. ग्रंथालयों के माध्यम से संबंधित लेखकों, कवियों की मौलिक कृतियों से छात्रों का परिचय।
4. दृक–श्राव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
5. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
6. पी.पी.टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
7. विशेषज्ञों के व्याख्यान, साक्षात्कार तथा प्रश्नावली।

पाठ्यपुस्तक – साहित्य जगत्

संपादक एवं प्रकाशक,

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

प्रथम सत्र : विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र–I

हिंदी कविता

अध्ययनार्थ पद्यपाठ :

इकाई –I
1. भिक्षुक – निराला
2. बालिका का परिचय– सुभद्राकुमारी चौहान
3. तेरी खोपडी के अंदर – नागार्जुन
4. वसंत आ गया– अज्ञेय

इकाई –II 5. अजीब–सी मुश्किल – कुंवर नारायण

6. पैदल आदमी– रघुवीर सहाय

7. बीस साल बाद – धूमिल

8. घर की याद – राजेश जोशी

इकाई –III 9. हो गई है पीर – दुष्यंतकुमार

10. माँ जब खाना परोसती थी – चंद्रकांत देवताले

11. एकलव्य – किर्ति चौधरी

12. बेजगह – अनामिका

इकाई –IV 13. नया बैंक – मंगलेश डबराल

14. सत्ता – उदय प्रकाश

15. स्त्री मुक्ति की मशाल – रजनी तिलक

16. बाजार – जया जादवानी

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :		अंक
प्रश्न 1 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 –	समग्र पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 –	समग्र पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अ तथा ब – दोनों अनिवार्य (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

द्वितीय सत्र : विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र –II

हिंदी गद्य साहित्य

अध्ययनार्थ गद्य पाठ :

इकाई –I
1. जीवन और शिक्षण (निबंध) – विनोबा भावे
2. सूरदास (निबंध) – बाबू श्यामसुंदर दास
3. विज्ञापन युग (निबंध) – मोहन राकेश

इकाई –II
4. भगत की गत (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई
5. फुटपाथ के कलाकार (व्यंग्य) – शरद जोशी
6. गोशाला चारा और सरपंच (व्यंग्य) – शंकर पुणतांबेकर

इकाई –III
7. पंचलाईट (कहानी) – फणीश्वरनाथ 'रेणु'
8. चीफ की दावत (कहानी) – भीष्म सहानी
9. अकेली (कहानी) – मन्नू भंडारी

इकाई –IV
10. संस्कार और भावना (एकांकी) – विष्णु प्रभाकर
11. रजिया (रेखाचित्र) – रामवृक्ष बेनीपुरी
12. किसान के घर से (यात्रा संवाद) – मधु कांकरिया

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :		अंक
प्रश्न 1 –	समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न	10
प्रश्न 2 –	समग्र पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ स्पष्टीकरण (तीन में से दो)	10
प्रश्न 3 –	समग्र पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (पाँच में से तीन)	15
प्रश्न 4 –	समग्र पाठ्यक्रम पर प्रश्न अ तथा ब – दोनों अनिवार्य (अंतर्गत विकल्प के साथ)	15

संदर्भ ग्रंथ–

1. हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन – डॉ.मु.ब.शहा
2. कहानी स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव
3. शरद जोशी का व्यंग्य साहित्य – डॉ.सूर्यकांत शिंदे
4. रेणु का कथा साहित्य – सुरेश चंद्र मेहरोत्रा
5. कथाकार भीष्म सहानी – डॉ.कृष्णा पटेल
6. मोहन राकेश और उनका साहित्य – डॉ.कविता शनवारे
7. एकांकीकार विष्णु प्रभाकर – डॉ.संजय चोपडे
8. हिंदी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योगदान – डॉ.अनुपमा प्रभुणे
9. रामवृक्ष बेनीपुरी और उनका साहित्य – डॉ.गजानन चव्हाण
10. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
11. नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी
12. क्रांतिकारी कवि निराला – डॉ.बच्चनसिंह
13. धूमिल की काव्य यात्रा – मंजू अग्रवाल
14. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ.संतोषकुमार तिवारी
15. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन – डॉ.चंद्रकांत बांदिवडेकर

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

हिंदी अध्ययन मंडल

जून, 2018 से पुनर्रचित पाठ्यक्रम की समकक्षता			
प्रथम वर्ष (कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं अन्य विद्याशाखा)			
	हिंदी (आवश्यक)		हिंदी (अनिवार्य) (GEC)
अ.क्र.	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	सत्र – 1 अभ्यासपत्रिका क्र. A प्रयोजनमूलक हिंदी और कहानी साहित्य	1	सत्र – 1 अभ्यासपत्रिका क्र. A सर्जनात्मक लेखन
2	सत्र – 2 अभ्यासपत्रिका क्र. B प्रयोजनमूलक हिंदी और कहानी साहित्य	2	सत्र – 2 अभ्यासपत्रिका क्र. B व्यावहारिक लेखन
बी.ए. भाग – 1			
	हिंदी (ऐच्छिक)		हिंदी (विशेष ऐच्छिक) (DSEC)
1	सत्र – 1 अभ्यासपत्रिका क्र. 1 आधुनिक हिंदी साहित्य	1	सत्र – 1 अभ्यासपत्रिका क्र. 1 हिंदी कविता
2	सत्र – 2 अभ्यासपत्रिका क्र. 2 आधुनिक हिंदी साहित्य	2	सत्र – 2 अभ्यासपत्रिका क्र. 2 हिंदी गद्य साहित्य